

[This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number :
Unique Paper Code : 121301202
Title of the Paper : CC-202, व्याकरणः लघुसिद्धान्तकौमुदी
Vyākaraṇa: Laghusiddhāntakaumudī¹
Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May, 2022
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से दो सूत्रों निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए- 8 x 3.5 = 28

Explain two sutras from each Section of the following:

- I. पष्ठी स्थानेयोगा, यस्मिन् विधिस्तदादावल्ग्रहणे, अन्तादिवच्च।
- II. आदेशप्रत्यययोः, अनड़ सौ, यस्येति च।
- III. अस्मद्युत्तमः, इडत्यर्तिव्ययतीनाम्, विभाषा चेः।
- IV. णिचश्च, ओः पुयण्यपरे, वर्तमानसामीप्ये वर्तमानवद् वा।

2. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से दो शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया सूत्रोल्लेख सहित प्रस्तुत कीजिए- 8 x 3.5 = 28

Explain the derivational process of **two** words from each of the following sections with sutras

- I. सर्वस्मिन्, मत्यै, राजा।
- II. एधाञ्चक्रे, जहि, अदानि
- III. देहि, दीव्यति, चिकाय
- IV. अतिष्ठिपत्, चिकीर्षति, कष्टायते।

3. निम्नलिखित की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए- 06

Critically examine the following:

अष्टाध्यायी के विधिसूत्रों में प्रयुक्त घटक पदों की विभक्तियों के विशिष्ट अर्थों पर सोदाहरण विशद टिप्पणी लिखिए।

Write an elaborate note on significance of the case endings used in the constituents terms of injunctions of the Ashtadhyayi.

अथवा/or

अष्टाध्यायी के विषय विभाग पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on subject matter of the Ashtadhyayi.

4. निम्नलिखितमें से किन्हीं दो पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिये-

2 x 4=8

Write a note in **Sanskrit** on any **two** of the following:

- i. सूत्रार्थोपायभूताः पाणिनीयपरिभाषाः।
- ii. सर्वनामसञ्ज्ञाः।
- iii. लकारार्थप्रक्रियाः।
- iv. अष्टाध्यायां सञ्ज्ञाविधानस्थलानि।